प्रगटे गोकुल कृष्ण मुरारी

प्रगटे गोकुल कृष्ण मुरारी,
नक्षत्र रोहिणी कृष्ण अष्टमी,
भादों रात परम अंधियारी,
प्रगटे गोकुल----------

बजत बधईया नन्द अंगनवां,
गोपिन ग्वाल बजावत तारी,
प्रगटे गोकुल----------

भरि आनंद सब करत कुतूहल,
प्रेम मगन हर्षित नर नारी,
प्रगटे गोकुल----------

देवन मिलि दुंदुभी बजावत,
धरा अवतरे कंस प्रहारी,
प्रगटे गोकुल कृष्ण मुरारी--।।

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक
वाराणासी

Source: https://www.bharattemples.com/pragate-gokul-krishan-murari/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw